नईदुनिया

Dewas News : इस तरह पकड़ में आई नकली खाद बनाने की फैक्ट्री

Updated: | Sat, 27 Jul 2019 04:51 PM (IST)

Dewas News : मिलावटी और नकली खाद बनाकर सप्लाय करने की आशंका के चलते पुलिस और प्रशासन की टीमों ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी पर कार्रवाई की।

देवास, नईदुनिया प्रतिनिधि। मिलावटी और नकली खाद बनाकर सप्लाय करने की आशंका के चलते पुलिस और प्रशासन की टीमों ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी पर कार्रवाई की। पुलिस ने रात करीब डेढ़ बजे ट्रक पकड़ा और सुबह जांच की गई तो मामले की गंभीरता सामने आई।
पुलिस, प्रशासन और कृषि विभाग की जांच के बाद फैक्टरी को सील कर दिया गया है। ट्रक और कारखाने से चार लोगों को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है। खास बात यह कि इस फैक्टरी पर यह कार्रवाई पहली बार नहीं हुई है। नौ साल में तीसरी बार यहां छापा पड़ा है।

दरअसल, औद्योगिक थाना पुलिस को गुरुवार रात करीब एक बजे सूचना मिली थी कि एक ट्रक चोरी का माल लेकर यहां से निकल रहा है। अधिकारी और कुछ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और ट्रक को रोक लिया गया। ट्रक में चोरी का माल होने की बात पर अंदर बैठे व्यक्ति ने खुद का माल होने और कारखाना होने का दावा किया। पुलिस अधिकारियों ने रात करीब दो बजे कारखाना दिखाने की बात कही। टीआई बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि मामला संदिग्ध लगने पर एसडीएम को सूचना दी।

तहसीलदार मौके पर पहुंचे और रात को ही पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और कृषि विभाग का अमला और कथित संचालक संजय पिता हरीशचंद्र गजमोरे को लेकर गोल्डन क्रॉप एंड बायो साइंस कंपनी की फैक्टरी में पहुंचे।

यहां मौका-मुआयना करने के बाद जांच करने की बात कही गई और चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। संजय के साथ ही रणजीत पिता नंदकिशोर निवासी बलगांव जिला इंदौर, अमन पिता कालूराम ठाकुर निवासी, चुरलाय और विनय पिता संजय गजमोरे निवासी स्टेशन रोड से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने ट्रक से 400 बोरी उत्तम शक्ति खाद, 30 बोरी धरती पॉवर खाद, चार कार्टून तरल पदार्थ जब्त किया है जो बिना लेबल का था।

सुबह पहुंचे एसडीएम

रात की कार्रवाई के बाद शुक्रवार सुबह एसडीएम जीवनसिंह रजक, सीएसपी अनिलसिंह राठौर व अन्य अफसर भी औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी पर पहुंचे। इस दौरान एसडीएम जीवनसिंह रजक ने फैक्टरी संचालक से जैविक और रासायनिक खाद बनाने को लेकर मशीन, लैब और लाइसेंस से जुड़े कई सवाल पूछे, लेकिन वो नहीं बता पाया। इस पर उन्होंने संचालक को जमकर फटकार लगाई। कहा कि किसानों के साथ खिलवाड़ कर रहे हो। खाद की जगह मिट्टी और चूना मिलाकर दे रहे हो। इसके बाद एसडीएम ने पूरी फैक्टरी को सील करने के आदेश दिए।

न दस्तावेज, न मशीनें

अफसरों ने प्राथमिक जांच में पाया गया कि संचालक के पास फैक्टरी संबंधित वैध दस्तावेज नहीं थे। यानी कई काम नियमों का उल्लंघन कर किए जा रहे थे। स्टॉक लाइसेंस तथा दवाई पैक करने की मशीन भी नहीं थी। इसके अलावा कहां से कितना माल आता है, कितना स्टोर है, अब तक कितना आयकर भरा है, खाद कैसे व किसको बेची जाती थी आदि बिंदुओं पर भी फैक्टरी संचालक जवाब नहीं दे पाया।

इसलिए इन सभी पक्षों की जांच की जा रही है। एसडीएम ने कीटनाशक बनाने की मशीनों के बारे में पूछा और केमिकल कम्पोजिशन की जानकारी लेना चाही तो भी संचालक से जवाब नहीं मिला। इस आधार पर माना जा रहा है कि कीटनाशक के नाम पर भी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

दिन भर चलती रही जांच

गुरुवार रात फैक्टरी सील कर सुबह फिर दल-बल के साथ जांच की गई। यह जांच दिन भर चलती रही और देर शाम तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। फैक्टरी में बड़ी मात्रा में खाद व कीटनाशक की

भरी हुई बोारियां रखी हुई थीं। जो बोतलें रखी हुई थीं वो भरी हुई तो थी, लेकिन उन पर कंपनी और पते से जुड़ा कोई लेबल नहीं लगा था। एक ओर बड़ी मात्रा में हैदराबाद और बैंगलोर की कंपनियों के नाम पर छापे गए लेबल मिले हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि खुद बोतलें पैक कर ये लेबल लगाए जाते थे और किसानों को धोखा दिया जाता था।

नौ साल में तीसरी बार हुई कार्रवाई

ट्रक में चोरी का माल ले जाने की खबर मिलने पर पुलिस ने ट्रक पकड़ा तो मिलावटी खाद, कीटनाशक तैयार करने का खेल सामने आया। जांच में सामने आया कि जिस फैक्टरी से यह माल ले जाया जा रहा था वहां पहले भी दो बार कार्रवाई हो चुकी है। 2011 और 2014 में कार्रवाई के बाद यह तीसरा मौका है जब शंका के आधार पर फैक्टरी की जांच की गई। नौ साल में तीसरी बार एक ही संचालक और फैक्टरी पर कार्रवाई की जा रही है लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने सरकारी जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि शहर में संदेहास्पद काम चल रहा है और अधिकारियों को इसकी सुध तक नहीं है।

आखिर क्या कर रहे अधिकारी

बताया जा रहा है कि 2011 और 2014 में भी इसी तरह जानकारी के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र स्थित उक्त फैक्टरी गोल्डन क्रॉप्स एंड बायो साइंसपर छापा मारा गया था। खाद का नमूना लेकर पंचनामा बनाया गया था। कार्रवाई में कृषि विभाग, श्रम विभाग, बिजली विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभाग शामिल थे। 2011 में नकली खाद बनाने के मामले में पुलिस ने फैक्टरी संचालक पर केस दर्ज किया था। जबकि 2014 में भी इसी तरह का घटनाक्रम हुआ। प्रारंभिक जांच में पता सामने आया था कि कि फैक्टरी में नकली खाद बनाया जा रहा था।

मिट्टी व सफेद मार्बल को पीसकर उसे खाद का रुप दिया जाता था। बाद में इसे बोरियों में भरकर बेचा जाता था। इसके अलावा कुछ रसायन की बोतलें भी फैक्टरी में ही बनाई जाती थी, लेकिन उनके बनाने के लिए कोई मशीन वहां नहीं थी। खाद का नमूना जब्त किया व जांच के लिए भोपाल भेजा गया था। लगातार एक ही संचालक पर इस तरह की कार्रवाई होना कई सवाल खड़े कर रहा है। इस पूरे समय अंतराल में अधिकारियों ने न ही कभी अन्य फैक्टरियों में बन रही खाद की जांच की और न ही इसी फैक्टरी पर जाकर पड़ताल करने की कोशिश की गई।

अफसरों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

इतने सालों से लगातार औद्योगिक क्षेत्र में कामकाज होता रहा लेकिन कभी संबंधित विभाग के अफसरों ने कोई कार्रवाई नहीं की। सूत्रों के अनुसार मामले में कहीं न कहीं मिलीभगत सामने आ रही है। पुलिस ने फैक्टरी संचालक की डायरी जब्त की तो उसमें कृषि विभाग के ही एक अफसर का नाम और नंबर लिखा मिला। इस पर पुलिस ने उक्त अफसर से सवाल-जवाब किए तो संबंधित अफसर संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

-रात को पुलिस से सूचना मिली और तहसीलदार को मौके पर भेज कर फैक्टरी सील कर दी गई। सुबह पड़ताल की गई तो न लाइसेंस मिला, न दूसरे जरुरी दस्तावेज और उपकरण। प्राथमिक जांच में फर्जीवाड़ा सामने आया है। नियमानुसार अधिकतम धाराएं लगाकर कार्रवाई की जाएगी।-**जीवनसिंह रजक, एसडीएम**

-मुख्य संचालक के साथ तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया गया था। दो दिन की रिमांड में उनसे पूछताछ कर ज्यादा से ज्यादा जानकारी लेकर कार्रवाई आगे बढ़ाएंगे। धोखाधड़ी का केस दर्ज किया जा रहा है।-**बृजेश श्रीवास्तव, टीआई, थाना औद्योगिक क्षेत्र**

-जांच के बाद ही खाद के नकली होने की बात कही जा सकती है। प्राथमिक रुप से नियमों का पालन नहीं होने और मिलावटी सामग्री होने की बात सामने आ रही है। फैक्टरी संचालक के पास लाइसेंस और जरुरी मान्यता नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। नियमों का उल्लंघन तो है लेकिन फिलहाल जांच की जा रही है।-**नीलम चौहान, उपसंचालक, कृषि विभाग**

Posted By: **Nai Dunia News Network**

Source: https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/dewas-dewas-news-police-taken-action-against-a-loaded-truck-after-that-artificial-fertilisers-factory-is-identified-3067518